एबिगेल एडम्स

एबिगेल एडम्स

एबिगेल एडम्स यूनाइटेड स्टेट्स के दूसरे राष्ट्रपति, जॉन एडम्स, की पत्नी और छठे राष्ट्रपति, जॉन क्विंसी एडम्स, की माँ थीं.

सत्रह वर्ष की आयु में उनकी भेंट एक युवा वकील, जॉन एडम्स, से हुई थी. वह आपस में पत्राचार करने लगे थे और फिर उनका विवाह हो गया था. अपने पति, जॉन, के तरह वह भी अमरीका की स्वतंत्रता के लिए चल रही क्रांति की समर्थक थीं. अपने विचारों को व्यक्त करने में वह बिलकुल न हिचकती थीं. उनका मानना था कि जो देश अपनी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहा था वहाँ दास प्रथा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और महिलाओं के अधिकार पुरुषों के अधिकारों के बराबर होने चाहियें.

यह कहानी अमरीका की एक प्रख्यात महिला की जीवनी है जिसे बड़े रोचक ढंग से कहा गया है.

एबिगेल एडम्स

रेवरेंड विलियम और एलिज़ाबेथ क्विंसी स्मिथ के घर एबिगेल स्मिथ का जन्म 11 नवम्बर 1744 के दिन हुआ था. एबिगेल अपने माता-पिता, अपने भाई विलियम और दो बहनों, मैरी और एलिज़ाबेथ, के साथ बोस्टन के निकट वेमथ, मस्सचुसेट्स, में रहती थीं.

एबिगेल सदा बहुत प्रश्न पूछती थीं . वह हर बात को लेकर बहुत उत्सुक होती थीं . वह जानना चाहती थी कि उनके घर के बाहर का संसार कैसा था.

एबिगेल थोड़ी बड़ी हुईं तो वह स्कूल जाना चाहती थीं . उन्होंने माँ से कहा, परन्तु माँ ने मना कर दिया. सिर्फ उनका भाई स्कूल जा सकता था. एबिगेल को लगा की यह बहुत अन्यायपूर्ण था. उन्हें घर में ही लिखना और पढ़ना सिखाया गया. लेकिन उनकी माँ को लगता था कि उन्हें घर के कामकाज में हाथ बटाना चाहिए. एबिगेल को पहली बार अहसास हुआ कि लड़कियों के अधिकार लड़कों के समान नहीं थे.

अपने पिता की लाइब्रेरी में वह घंटों पुस्तकें पढ़ती रहतीं. वहाँ बैठ कर वह घर आये मेहमानों की राजनीति और अन्य विषयों पर बातें सुनतीं.

किशोर अवस्था में आने के बाद एक बार वह अपने संबंधियों से मिलने बोस्टन गईं. घर लौटने के बाद वह अपने नये मित्रों को पत्र लिखने लगीं. पत्रों में अपने विचार और भावनायें व्यक्त करतीं. पत्र लिखना अब उनके लिए एक महत्वपूर्ण कार्य बन गया था.

सत्रह वर्ष की आयु में उनकी भेंट एक युवा वकील, जॉन एडम्स, के साथ हुई. उन्हें जॉन अच्छा लगा क्योंकि वह भी जिज्ञासु युवक थे, संसार के विषय में बहुत कुछ जानते थे और खुलकर अपने मन की बात कहते थे. वह आपस में पत्राचार करने लगे. शीघ्र ही वह जॉन को 'सबसे प्रिय मित्र' बुलाने लगी थीं .

उपनिवेशी महिला होने के कारण एबिगेल जानती थीं कि उनका भविष्य उनके पति पर निर्भर रहने वाला था. उन्हें लगा कि जॉन उनका सम्मान करता था. जब जॉन ने उनके साथ विवाह का प्रस्ताव रखा तो उन्होंने हामी भर दी.

जॉन और एबिगेल का विवाह 25 अक्तूबर 1764 को हुआ और विवाह के बाद वह जॉन के फार्म में रहने के लिए ब्रेनट्री, मस्सचुसेट्स, आ गईं. उनकी पहली सन्तान, एबिगेल (नैब्बी), का जन्म 14 जुलाई 1765 को हुआ.

उन दिनों ब्रिटिश स्टैम्प एक्ट के अंतर्गत अमरीका में सभी कानूनी दस्तावेज़ों पर टैक्स देना पड़ता था. अमरीका के निवासी इस कानून से घृणा करते थे. लेकिन सरकार में उनकी कोई आवाज़ नहीं थीं. जॉन उपनिवेशियों की सहायता करना चाहते थे. वह ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध लोगों के एक जाने-माने प्रवक्ता बन गये. इस कारण उन्हें कई बार घर से बाहर रहना पड़ता था. अपने फार्म पर एबिगेल पशुओं, ज़मीन और पैसों की देखभाल करतीं. वह सारा प्रबंध बड़े अच्छे से करतीं, परन्तु अकसर उन्हें अकेले ही रहना पड़ता था. ऐसे समय पत्र लिख कर वह अपना मन बहलाती थीं. उनके बेटे, जॉन क्विंसी एडम्स, का जन्म 17 जुलाई 1767 को हुआ. बेटा पाकर उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई.

एबिगेल, जॉन और उनके बच्चे 1768 में बोस्टन आ गये. एबिगेल को नगर में रहना अच्छा लगता था. वह अखबारें पढ़ती थीं, मित्रों से मिलने और खरीदारी करने जाती थीं. वर्तमान घटनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त करती थीं. एबिगेल और जॉन अपने मित्रों के साथ अमेरिका पर इंग्लैंड के शासन के विषय पर चर्चा करते थे. अब वह अधिक दृढ़ता से विश्वास करने लगीं कि देश को स्वतंत्र होना ही होगा.

परिवार के बढ़ने के साथ, देश की स्वतंत्रता के लिए एबिगेल और जॉन की गतिविधियाँ भी बढ़ने लगी थीं. उनकी दूसरी बेटी, सुज़ान्ना का जन्म 28 दिसम्बर 1768 को हुआ. लेकिन एक वर्ष बाद उसका निधन हो गया. फिर उनके बेटे चार्ल्स का जन्म 29 मई 1770 को हुआ.

जॉन मस्सचुसेट्स की विधान सभा का सदस्य चुने गये. यह विधान सभा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष कर रही थीं. एबिगेल को जॉन पर अभिमान था और एक पत्र में उन्होंने लिखा था, ‘इस क्रान्ति के हर परिणाम को भुगतने के लिए मैं तैयार थी’. ब्रिटिश वस्तुयों का बहिष्कार करने हेतु, एबिगेल और अन्य उपनिवेशी महिलायें अपने कपड़े स्वयं बुनती थीं और जड़ी-बूटियों से चाय बनाती थीं. महिलायें क्रांति का एक महत्वपूर्ण अंग बन रही थीं.

15 सितम्बर 1772 को एबिगेल और जॉन के दूसरे पुत्र थॉमस का जन्म हुआ.

एक वर्ष बाद कुछ उपनिवेशी, जो अपने को 'स्वतंत्रता की संतान' बुलाते थे, अमरीका के मूल निवासियों का भेष बना कर बोस्टन बंदरगाह आये और, कानून को तोड़ते हुए, ब्रिटिश जहाज़ों पर लदे चाय के डिब्बे समुद्र में फेंकने लगे. इस विरोध को 'बोस्टन टी पार्टी' के नाम से जाना गया. इसके कारण एबिगेल को लगा कि ब्रिटिश कोई न कोई कार्यवाही अवश्य करेंगे. बच्चों को सुरक्षित रखने हेतु वह ब्रेनट्री लौट आईं.

लेक्सिंग्टन और कांकोर्ड में 1775 में लड़ी गईं लड़ाइयां के साथ अमरीका की स्वतंत्रता का संग्राम आरम्भ हो गया. इस भय से कि ब्रिटिश सेना आक्रमण करेगी, कई लोग बोस्टन से भाग गये. कुछ लोग एबिगेल के फार्म के पास से हो कर गये. उन्होंने कुछ लोगों को अपने घर शरण दी, खाना दिया. उन्होंने एक पत्र में लिखा, 'मेरा घर तो अव्यवस्था का रंगमंच बन गया है.'

एबिगेल ने बंकर हिल पर लड़ी गई एक भयानक लड़ाई देखी. इसका विवरण उन्होंने जॉन को पत्रों में लिख कर भेजा. जॉन ने वह पत्र जॉर्ज वाशिंगटन और दूसरे सेनापतियों को दिखाये. यह पत्र पढ़ कर वह लोगों के कष्टों को समझ पाए.

एबिगेल को लगा कि अपने मन के विचारों को व्यक्त करने का सही समय आ गया था. उनका मानना था कि जो देश स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहा था वहाँ पर दास प्रथा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए. और पुरुषों के बराबर ही महिलाओं के अधिकार होने चाहियें. उन्होंने यह बातें जॉन को लिखीं. उन्हें आशा थी कि जो कानून-प्रणाली वह देश के लिए बनाने जा रहे थे उसमें इन बातों का भी ध्यान रखेंगे.

जॉन ने उत्तर दिया, “मैं अपनी हंसी रोक नहीं पा रहा हूँ.” जॉन का पत्र पढ़ कर एबिगेल को बहुत निराशा हुई.

17 जुलाई 1776 के दिन बोस्टन में अमरीका की स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ी गई. इस घोषणा में कहा गया था कि सभी उपनिवेश बस्तियां ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हो गयी थीं. लेकिन इस घोषणा में दासों की स्वतंत्रता और औरतों के अधिकारों का कोई उल्लेख नहीं था.

1777 में जॉन को यूनाइटेड स्टेट्स का राजदूत बना कर फ्रांस भेजा गया.

उनका बेटा जॉन क्विंसी भी उनके साथ गया. एबिगेल अपने दस वर्ष के लड़के को पत्र लिख कर उसे समझातीं कि उसे सदा सच बोलना चाहिए, अपना दिया हुआ वचन सदा पूरा करना चाहिए और दूसरों के प्रति अपने व्यवहार की ओर पूरी तरह सजग रहना चाहिए.

घर की जिम्मेवारी संभालते हुए उन्होंने अपनी बेटी, नैब्बी, को अच्छी शिक्षा देने के लिए बोस्टन के एक स्कूल में भेज दिया.

जॉन देश वापस लौट आये परन्तु शीघ्र ही उन्हें फिर फ्रांस जाना पड़ा. इस बार जॉन क्विंसी और चार्ल्स को वह अपने साथ ले गये. जॉन और एबिगेल को एक दूसरे की कमी खल रही थी. इस कारण 1784 में एबिगेल उनके पास आ गई.

एबिगेल को अहसास था कि पति की सहायता करना ही उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य था. वह बढ़िया दावतों का आयोजन करती और राजनीति पर चर्चा करती. कुछ समय उपरान्त जॉन को राजदूत बना कर इंग्लैंड भेजा गया.

1788 में जॉन और एबिगेल अमरीका लौट आये. बोस्टन बंदरगाह पर जय-जयकार करती भीड़ ने उनका स्वागत किया. अगले वर्ष जॉर्ज वाशिंगटन यूनाइटेड स्टेट्स के पहले राष्ट्रपति चुने गये. जॉन एडम्स उपराष्ट्रपति बने.

कभी-कभी एबिगेल जॉन के पास फ़िलेडैल्फ़िया, जो उस समय यूनाइटेड स्टेट्स की राजधानी था, आ जाती थीं. लेकिन वह अकसर बीमार रहती थीं और अपने नये फार्म, पीसफील्ड, में रहती थीं. जब एक अश्वेत दास को स्कूल जाने की अनुमति न मिली तो एबिगेल ने स्वयं उसे पढ़ना-लिखना सिखाया.

1796 में जॉन एडम्स अमरीका के दूसरे राष्ट्रपति चुने गये. 'प्रथम महिला' के रूप में एबिगेल ने कई महत्वपूर्ण लोगों का सत्कार किया. वह इतनी व्यस्त रहती थीं कि अपने लिए उनके पास कोई समय बचता ही न था.

जब देश की राजधानी वाशिंगटन डीसी स्थानांतरित की गई तो वह सब वाइट हाउस में आकर रहने लगे. एबिगेल वाइट हाउस में रहने वाली पहली 'प्रथम महिला' थीं.

लेकिन उसे लगता था की उनका भवन असुविधाजनक, हवादार और ठंडा था. एक बार तो धुले हुए कपड़े सबसे बड़े कांफ्रेंस रूम में लटका कर सुखाने पड़े थे. उसने लिखा, "इस सार्वजनिक जीवन से मैं बिलकुल तंग आ चुकी हूँ."

जब सन 1800 में जॉन को फिर से राष्ट्रपति न चुना गया तो घर लौट कर एबिगेल बहुत प्रसन्न हुई.

एबिगेल और जॉन ने अगले कई वर्ष अपने मित्रों और परिवार के साथ प्रसन्नता से बिताये. चूँकि जीवन-भर एबिगेल ने अपने धन का सही प्रबंधन किया था, उन्होंने बाकी दिन चैन से बिताये.

एबिगेल का निधन 28 अक्तूबर 1818 को हुआ. उनका मानना था कि जीवन में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका पत्नी और माँ की थीं. लेकिन दास प्रथा और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी उन्होंने आवाज़ उठाई थी. उन्होंने लिखा था, “मैं यह कभी स्वीकार नहीं कर सकती कि महिलायें पुरुषों से हीन हैं.”

लेखक का नोट

एबिगेल के लिखे कोई दो हज़ार पत्र आज भी उपलब्ध हैं.
इन से पता लगता है कि वह कितनी उत्साही और साहसी थीं.
उसका बेटा, जॉन क्विंसी एडम्स, 1824 में यूनाइटेड स्टेट्स का छठा राष्ट्रपति बना.
एबिगेल के जीवनकाल में ही ब्रेनट्री के एक भाग का नाम बदल कर क्विंसी रख दिया गया.
पीसफील्ड अब एक म्यूजियम है.
वेमथ में जिस घर में एबिगेल का जन्म हुआ था उसे भी म्यूजियम बना दिया गया है.